IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 6, November 2024
Impact Factor: 7.57

स्वच्छ भारत अभियान का जनस्वास्थ्य चेतना पर प्रभाव

डॉ. गोपाल विश्वकर्मा

वाणिज्य विभाग

जुबली कॉलेज, भुरकुंडा, रामगढ़, झारखण्ड

gopalbishwakarma7@gmail.com

सारांश

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में आरम्भ किया गया एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता मिशन था, जिसका मुख्य उद्देश्य देश को खुले में शौच से मुक्त बनाना तथा स्वच्छता के माध्यम से जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाना था। वर्ष 2014 से 2016 के बीच लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या खुले में शौच करती थी (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015–16), जो 2019–21 तक घटकर लगभग 15 से 20 प्रतिशत रह गई (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019–21)।

लगभग 10 करोड़ शौचालयों के निर्माण से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं की पहुँच में अभूतपूर्व सुधार हुआ। सुधारित शौचालयों का उपयोग करने वाले परिवारों की संख्या वर्ष 2015–16 में 49 प्रतिशत थी जो 2019–21 में बढ़कर 70 प्रतिशत हो गई (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण)। साथ ही, साबुन–पानी से हाथ धोने की सुविधा वाले परिवार 60 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गए।

एक शोधपत्र के अनुसार, इस अभियान के प्रभाव से प्रति वर्ष लगभग 60,000 से 70,000 शिशु मृत्यु को टाला जा सका (प्रकृति जर्नल, 2023)। हालांकि, व्यवहार परिवर्तन की निरंतरता को बनाये रखना, शौचालयों की गुणवत्ता और ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन अभी भी चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं। फिर भी, यह अभियान भारत में स्वच्छता को जन आन्दोलन का रूप देने और जनस्वास्थ्य चेतना को मजबूती से स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ।